Newspaper : Denik Jagran
Edition: Lucknow | Date: 19th November, 2019 | Pg. : 09

चंदे से पार कीं पढ़ाई की चुनौतियां

जागरण विशेष

डीके सिंह ● शाहगढ़ (अमेठी)

ज्यादातर अभिभावकों की तरह इन्होंने परिषदीय स्कूलों की बदहाली का रोना नहीं रोया। संसाधन की कमी के लिए व्यवस्था को नहीं कोसा, बल्कि समाधान के लिए कोशिश करके तमाम लोगों के लिए मिसाल कायम कर दी। इन अभिभावकों के साए में संवरे प्राथमिक विद्यालय पंडरी पनियार की अब नजीर दी जा रही है।

इस एकल शिक्षक वाले विद्यालय में प्रधानाध्यापक पवन कुमार तिवारी के अलावा एक शिक्षामित्र रेखा की तैनाती हुई तो भी बच्चों की संख्या के सापेक्ष शिक्षक नहीं हुए। इससे शिक्षा प्रभावित हो रही थी। अभिभावक संघ ने इस संबंध में अफसरों से पत्राचार किया। फिर भी मांग पूरी नहीं हुई। आखिर में उन्होंने चंदा लगाकर पड़ोसी गांव हरिहरपुर की ग्रेजुएट युवती बिंदु सिंह को बच्चों को पढ़ाने के लिए रखवा दिया। अभिभावक संघ प्रत्येक माह प्राइवेट शिक्षक को दो हजार रुपये का भुगतान कर रहा है। यह सिलसिला तीन साल से जारी है।

नजीर

- शाहगढ़ में अभिभावकों ने पेश की मिसाल
- अपने पैसों से किया प्राइवेट शिक्षिका का इंतजाम

प्राथमिक विद्यालय में प्राइवेट शिक्षक आने से शिक्षण कार्य में पूरा सहयोग मिल रहा है। इससे बच्चों का शिक्षण बेहतर हुआ है। अभिभावक संघ की पहल सराहनीय है। विद्यालय से जुड़े हर पहलू पर अभिभावक संघ गंभीरता से ध्यान देता है।
पवन कुमार तिवारी,
प्रधानाध्यापक।

शाहगढ़ के प्राथमिक विद्यालय पंडरी पनियार में बच्चे से सवाल हल करवाती प्राइवेट शिक्षिका बिंदु ● जागरण

अभिभावक संघ की कागज ही नहीं, जमीन पर भी सक्रियता

आमतौर पर कागजों में ही सक्रिय रहने वाले अभिभावक संघ ने न सिर्फ 60 बच्चों के भविष्य की चिंता की है। अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराते हुए खेल मैदान भी चकाचक करा दिया है। चंदे के दम पर व्यवस्था की चुनौतियों को चूर-चूर कर रहे इस संघ में सदस्य विजय पाल यादव अध्यक्ष, यशोदा उपाध्यक्ष, अनारा देवी, हीरालाल, रंजीत, डिंपल, उर्मिला, पूजा, विमलेश, अखिलेश, रामसजीवन ने मिलकर पूरे विद्यालय का सुंदरीकरण कराया है। भरपूर पौधरोपण हर तरफ हरियाली का अहसास करा रहा है। बच्चों के खेलने के लिए मैदान को जलभराव से मुक्ति दिलाई है। संघ की कोशिश है, स्कूल में स्मार्ट क्लास का सिलसिला भी शुरू कराया जाए। बच्चों के बैठने का इंतजाम वे कांवेंट स्कूल की तरह कराने की जिद्दोजहद में लगे हैं।